

# TILAK MAHARASHTRAVIDYAPEETH, PUNE

## M.A. YOGA

### EXAMINATION : APRIL/MAY-2024

#### FIRST SEMESTER

##### Sub. : Basics of Ayurveda - I (104)

Date: 09/05/2024

Total marks: 60

Time: 10.00 am to 12.30 pm

#### Instructions:

- 1) All questions are compulsory.
- 2) Figures to the right indicate full marks.

#### Q. 1. Multiple choice questions.

(10)

1. Pitta is mala of \_\_\_\_\_ Dhatu.  
a) Rasa  
b) Rakta  
c) Mamsa  
d) Meda
2. Ear is having \_\_\_\_\_ mahabhuta dominance.  
a) Pruthvi  
b) Jala  
c) Vayu  
d) Aakash
3. Pachan (Digestion) is function of \_\_\_\_\_.  
a) Ranjak Pitta  
b) Pachak Pitta  
c) Saman Vayu  
d) both b & c
4. Oja is derived from \_\_\_\_\_ Dhatu.  
a) Rasa  
b) Meda  
c) Majja  
d) Shukra
5. Vrukka is moolasthan of \_\_\_\_\_ strotas.  
a) Mamsavaha  
b) Medovaha  
c) Majjavaha  
d) Shukravaha
6. 'Kledavahan' is function of \_\_\_\_\_ mala.  
a) Purish  
b) Mutra  
c) Sweda  
d) Kha mala
7. \_\_\_\_\_ is not the type of Kapha Dosha.  
a) Ranjak  
b) Avalambak  
c) Bodhak  
d) Tarpak
8. Sheeta guna is present in \_\_\_\_\_ Dosha.  
a) Vata  
b) Pitta  
c) Kapha  
d) both a & c
9. Function of Purisha is \_\_\_\_\_.  
a) Vayu dharan  
b) Agni dharan  
c) Avashthamba (Deha Dharan)  
d) all of above

10. There are total \_\_\_\_\_ number of mahabhoota.

- |      |      |
|------|------|
| a) 3 | b) 5 |
| c) 7 | d) 8 |

**Q. 2. Write the answers in short (Any Four) (20)**

- 1) Rasa Dhatu
- 2) Types of Vata Dosha
- 3) Functions of Kapha Dosha according to their types
- 4) Asthi Dhatu
- 5) Annavaha strotas
- 6) Sweda mala

**Q. 3. Write the answers in brief (any two) (30)**

- 1) Explain Pitta Dosha in detail with its importance in health.
- 2) Explain Samanya Vishesh Siddhant in detail.
- 3) Explain Loka-purusha Siddhant in detail.

### मराठी रूपांतर

---

**सूचना :** १. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.  
२. उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात.

---

**प्र.१. योग्य पर्याय निवडा. (१०)**

१. पित्त हा कोणत्या धातुचा मल आहे?

- |         |         |
|---------|---------|
| अ) रस   | ब) रक्त |
| क) मांस | ड) मेद  |

२. कान (कर्ण) यामध्ये ..... महाभूताचे आधिक्य आहे.

- |           |         |
|-----------|---------|
| अ) पृथ्वी | ब) जल   |
| क) वायु   | ड) आकाश |

३. अन्नपचन हे ..... चे कर्म आहे.

- |               |               |
|---------------|---------------|
| अ) रंजक पित्त | ब) पाचक पित्त |
| क) समान वायु  | ड) ब व क      |

४. ओजाची निर्मिती ..... पासून होते.

- |          |          |
|----------|----------|
| अ) रस    | ब) मेद   |
| क) मज्जा | ड) शुक्र |

५. .... स्त्रोतसाचे मूलस्थान 'वृक्क' आहे

- |            |            |
|------------|------------|
| अ) मांसवहं | ब) मेदोवह  |
| क) मज्जावह | ड) शुक्रवह |

६. क्लंदवहन हे ..... मलाचे कार्य आहे.

- अ) पुरीष  
क) स्वेद
- ब) मूत्र  
ड) ख-मल
७. खालीलपैकी कोणता कफ दोषाचा प्रकार नाही.  
अ) रंजक  
क) बोधक
- ब) अवलंबक  
ड) तर्पक
८. शीत गुण ..... दोषामध्ये आहे.  
अ) वात  
क) कफ
- ब) पित्त  
ड) अ व क
९. पुरीषाचे कार्य ..... आहे.  
अ) वायु धारण  
क) अवष्टंभ (देह धारण)
- ब) अग्नि धारण  
ड) यापैकी सर्व
१०. एकूण ..... महाभूत आहेत  
अ) ३  
क) ७
- ब) ५  
ड) ८

**प्र.२. टिपा लिहा (कोणतेही चार)**

(२०)

- १) रस धातु
- २) वात दोषाचे प्रकार
- ३) कफ दोषाच्या प्रकारानुसार त्यांचे कर्म लिहा.
- ४) अस्थि धातु
- ५) अन्नवह स्रोतस
- ६) स्वेद मल

**प्र.३. यापैकी कोणतेही दोन लिहा.**

(३०)

- १) पित्तदोषाचे विस्तृतपणे वर्णन करा व त्याचे आरोग्यविषयक महत्त्व लिहा.
- २) 'सामान्यविशेष' सिद्धांत वर्णन करा.
- ३) 'लोक-पुरुष' सिद्धांत वर्णन करा.